

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमास्तुमहादेशिकाय नमः

॥ श्री हनुमन्नरत्नपद्यमाला ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री हनुमन्नरत्नपद्यमाला ॥

श्रितजनपरिपालं रामकार्यानुकूलं
धृतशुभगुणजालं यातुतन्द्धार्तिमूलम्।
स्मितमुखसुकपोलं पीतपाटीरचेलं
पतिनतिनुतिलोलं नौमि रातेशबालम् ॥ 1 ॥

दिनकरसुतमित्रं पङ्कुरङ्गं त्रिनेत्रं
शिशुतनुकृतचित्रं रामकारुण्यपात्रम्।
अशनिसदृशगात्रं सर्रकार्येषु जैत्रं
भरजलधिरहितं श्लौमि रायोः सुपुत्रम् ॥ 2 ॥

मुखरिजितशशाङ्कं चेतसा प्राप्तलङ्कं
गतनिशिचरशङ्कं क्षालितात्नीयपङ्कम्।
नगकुसुमरिटङ्कं त्यक्तशापाख्यशृङ्कं
रिपुहृदयलटङ्कं नौमि रामध्रजाङ्कम् ॥ 3 ॥

दशरथसुतदूतं सौरसास्योदगगीतं
हतशशिरिपुसूतं तार्क्ष्यरेगातिपातम्।
मितसगरजखतं मार्गिताशेषकेतं
नयनपथगसीतं भारये रातजातम् ॥ 4 ॥

निगदितसुथिरामं सान्द्रितैम्बरकुरामं
कृतरिपिनरिरामं सर्ररक्षेतिभीमम्।
रिपुकुलकलिकामं रारणाख्याञ्जसोमं
मतरिपुबलसीमं चिन्तये तं निकामम् ॥ 5 ॥

নিহতনিখিলশূরঃ পুচ্ছরহিপ্রচারো
দ্রুতগতপরতীরঃ কীর্তিতাশেষসারঃ।
সমসিতমধুধারো জাতপম্পারতারো
নতরঘুকুলরীরঃ পাতু রাযোঃ কুমারঃ ॥ 6 ॥

কৃতরঘুপতিতোষঃ প্রাপ্তসীতাস্তভূষঃ
কথিতচরিতশেষঃ প্রোক্তসীতোক্তভাষঃ।
মিলিতসখিহনুষঃ সেতুজাতাভিলাষঃ
কৃতনিজপরিপোষঃ পাতু কীনাশরেষঃ ॥ 7 ॥

ক্ষপিতবলিরিপক্ষো মুষ্টিপাতাতরক্ষো
ররিজনপরিমোক্ষো লক্ষ্মণোদ্ধারদক্ষঃ।
হতমৃতিপরপক্ষো জাতসীতাপরোক্ষো
রিরমিতরণদীক্ষঃ পাতু মাং পিঙ্গলাক্ষঃ ॥ 8 ॥

সুখিতসুহৃদনীকঃ পুষ্পযানপ্রতীকঃ
শমিতভরতশোকো দৃষ্টরামাভিষেকঃ।
স্মৃতপতিসুখিসেকো রামভক্তপ্ররেকঃ
পরনসুকৃতপাকঃ পাতু মাং রাযুতোকঃ ॥ 9 ॥

অষ্টাশ্রীকৃতনররত্নপদ্যমালাং
ভক্ত্যা শ্রীহনুমদুরঃস্থলে নিবদ্ধাম্।
সঙ্গৃহ্য প্রযতমনা জপেৎ সদা যঃ
সোহভীষ্টং হরিররতো লভেত শীঘ্রম্ ॥ 10 ॥

॥ শ্রী হনুমন্নররত্নপদ্যমালা সমাপ্তা ॥